मनुष्य के उदास केर सुरुआत

परमेश्वर केर वचन सेने कहानी, बाइबिल

मा पावा जात है

उत्पत्ति 3-६

"तुमरे वचन केरे द्वारा प्रकाश मिलत है।"
भजन सहिंता ११९:१३०

मनुष्य के उदास केर सुरुआत

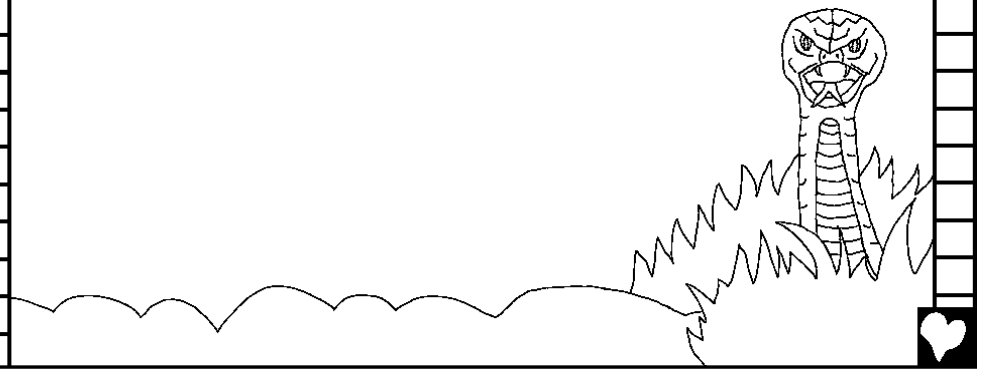

लिखा गवा Edward Hughes
प्रकाशित Byron Unger; Lazarus

अनुवाद Vijay Kumar
रूपांतरण M. Maillot; Tammy S.

साठ(६०) कि दूसरी (२) कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञा : आप लोगन का कहानी का प्रतिलिपि और छपाई करेक अधिकार है,
जब तक आप इका बेचत नाही है।

परमेश्वर जानत है कि हम सब लोग बुरा काम किये
हाँ जिका ऊ पाप बोलत है पाप केर दंड खली मृतु है है।

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करत है कि ऊ आपन
इकलौता पुत्र हमका हमरे पापं केर खतिर दई दीस ताकि
हमार पाप उके द्वारा छमा होई जाए। येशु फिर जिन्दा
होई गए और स्वर्ग माँ चले गए अब परमेश्वर
हमरे पापं का छमा कर सकत है।

अगर हमका अपने पापन से फिरेक है तब ई परमेश्वर
से बोले: प्रिय परमेश्वर हम विश्वास करीत है कि येशु हमरे पापन्
खातिर मारा गवा और जी उठा। कृपया हमरे जीवन मा आओ और
हमरे पापन का छमा करो ताकि हमरे पास नवा जीवन होए तब हम
जीवन भर तुमरे साथ रही। हमका अपने बच्चन जैसे जिए के
खातिर मदद करो। युहन्ना 3:16

बाइबिल पढ़े और परमेश्वर से बात करे।

अवधी Awadhi

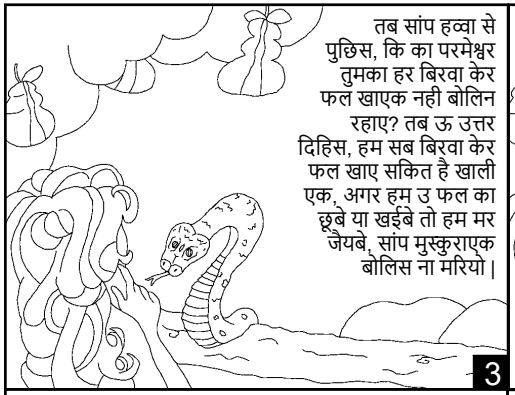
तब सांप हव्वा से
पुछिस, कि का परमेश्वर
तुमका हर बिरवा केर
फल खाएक नही बोलिन
रहाए? तब ऊ उत्तर
दिहिस, हम सब बिरवा केर
फल खाए सकित है खाली
एक, अगर हम उ फल का
छूबे या खईबे तो हम मर
जेयबे, सांप मुस्कुराएक
बोलिस ना मरियो।
3

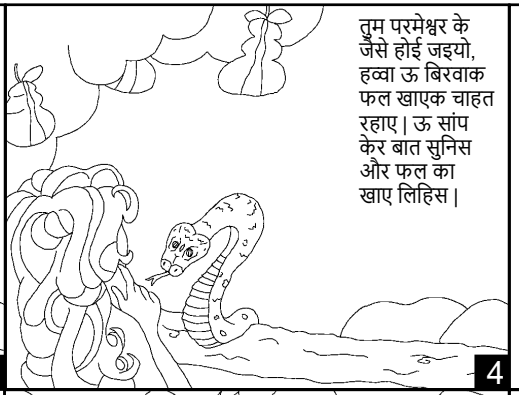
तुम परमेश्वर के
जैसे होई जइयो,
हव्वा ऊ बिरवाक
फल खाएक चाहत
रहाए। ऊ सांप
केर बात सुनिस
और फल का
खाए लिहिस।
4

परमेश्वर केर आज्ञा का ना माने
के बाद हव्वा आदम का भी ऊ
फल खिला देहीस। और आदम
कहिस ई हम परमेश्वर केरे
आज्ञा का ना तोड़ब।
5

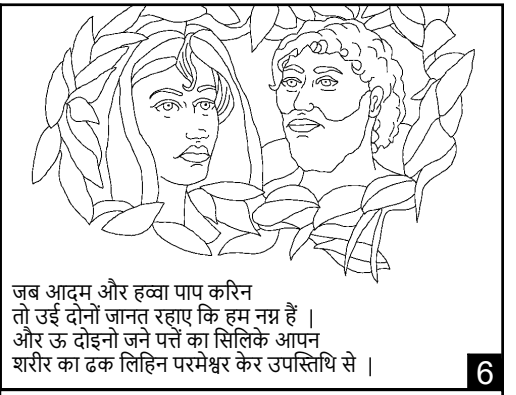
जब आदम और हव्वा पाप करिन
तो उई दोनों जानत रहाए कि हम नग्न हैं ।
और ऊ दोइनो जने पत्तें का सिलिके आपन
शरीर का ढक लिहिन परमेश्वर केर उपस्तिथि से ।
6

शाम के शांत समय मा परमेश्वर ऊ बगीचा मा आए। ऊ जानत
रहाए कि आदम और हव्वा का करिन है । आदम हव्वा का
दोषी ठहराइन और हव्वा सांप का दोषी ठहराइन ।
परमेश्वर बोलिन सांप शापित होए। स्त्री जब बच्चा
जनिये तब ऊका दरद होइये। आदम तुम पाप
करे हो इके लिए पृथिवी कांटे और झाड़ीदार से
शापित होएइए। तुमका आपन दैनिक
भोजन का प्राप्त करेक खातिर
पसीना बहएक पड़ी।
7

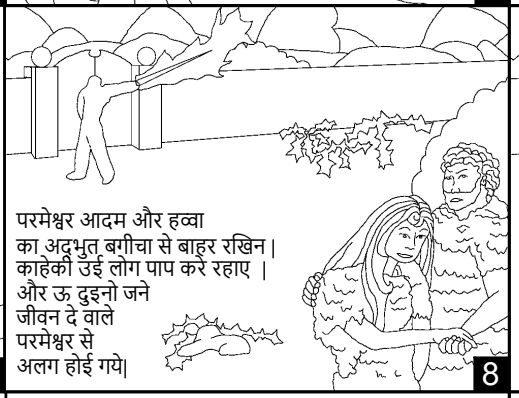
परमेश्वर आदम और हव्वा
का अद्भुत बगीचा से बाहर रखिन।
काहेकी उई लोग पाप करे रहाए ।
और ऊ दुइनो जने
जीवन दे वाले
परमेश्वर से
अलग होई गये।
8

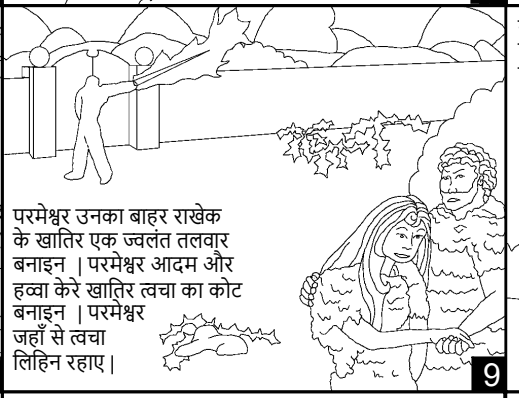
परमेश्वर उनका बाहर राखेक
के खातिर एक ज्वलंत तलवार
बनाइन । परमेश्वर आदम और
हव्वा केरे खातिर त्वचा का कोट
बनाइन । परमेश्वर
जहाँ से त्वचा
लिहिन रहाए।
9

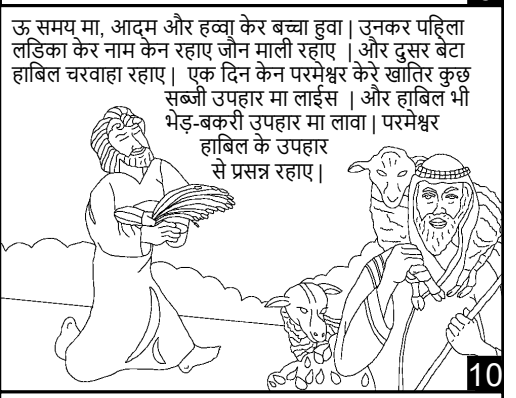
ऊ समय मा, आदम और हव्वा केर बच्चा हुवा। उनकर पहिला
लडिका केर नाम केन रहाए जौन माली रहाए । और दुसर बेटा
हाबिल चरवाहा रहाए। एक दिन केन परमेश्वर केरे खातिर कुछ
सब्जी उपहार मा लाईस । और हाबिल भी
भेड़-बकरी उपहार मा लावा। परमेश्वर
हाबिल के उपहार
से प्रसन्न रहाए।
10

परमेश्वर केन के उपहार से प्रसन्न नही
रहाए। केन बहुत गुस्सा भवा । तब
परमेश्वर कहिन कि अगर तुम अच्छे मनन
लाय होइतेओ तो का ग्रहण न होत?
11

केन केर गुस्सा उसे दूर नही गवा
और ऊ कुछ समय के बाद
हाबिल पर हमला करिस और
उका मार डालिस।
12

परेमश्वर केन से बोलिन
“ तुम्हार भाई हाबिल कहाँ है,
तब केन बोलिस हमका नही मालूम, केन
झूट बोलिस। का हम आपन भाई केर
रक्षक अहि। तब परमेश्वर
केन का अपने से दूर करके
उका भटका दिहिन।
13

केन यहोवा कि उपस्तिथि से बहार चला गवा और ऊ आदम और
हव्वा केर बेटी से शादी कर लिहिस। और परिवार का बढईस।
जल्दी ही केन केर पोते और उके परपोते ऊ
शहर मा बसी गये जौन ऊ पईस रहाए।
14

इके दौरान, आदम और हव्वा केर परिवार
जल्दी बढ़ गवा। जैसे कि आज कि तुलना मा
अधिक समय तक रहत रहाए।
15

जब उकेर बेटे सेठ केर जनम हुवा तो हव्वा बोलिस
कि परेमश्वर हमका हाबिल कि जगह मा सेठ
का दिहिस है। सेठ एक ईश्वरिय मनुष्य रहाए
जौन ९१२ साल जीवित रहाए और उकेर
बहुत सारे बच्चे रहाए।
16

इका देखके एक पीड़ी दूसर पीड़ी
केरे साथे मिलके पूरी दुनिया मा दुष्ट
फैलाए दिहिन तो परेमश्वर ई
मानवजाति का नाश
करेक सोचिन।
17

सबहि जानवरन और पक्षियाँ का
परमेश्वर बनाकाएक बहुत दुखित
हुआ और आदमिन का भी। लेकिन
एक आदमी परेमश्वर का बहुत
खुश करिन।
18